मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

EHD–05

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी)

ई.एच.डी.-05 : आधुनिक भारतीय साहित्य : राष्ट्रीय चेतना और नवजागरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. स्वतंत्रता-पूर्व के भारतीय साहित्य पर स्वाधीनता आंदोलन के प्रभाव का आकलन कीजिए। 20
2. नवजागरण और स्वतंत्रता आंदोलन के पारस्परिक सम्बन्धों का विश्लेषण कीजिए। 20
3. आधुनिक असमिया साहित्य पर नवजागरण और आज़ादी के आंदोलन के प्रभाव का वर्णन कीजिए। 20

4. कन्नड़ साहित्य पर प्रगतिशील आंदोलन के प्रभाव की समीक्षा कीजिए। 20

5. स्वतंत्रता पूर्व मराठी काव्य की विशेषताओं का विस्तृत विवेचन कीजिए। 20

6. उर्दू साहित्य में प्रगतिशीलता और आधुनिकता के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 20

7. द्विवेदी युगीन काव्य में राष्ट्रीय भावना की अभिव्यक्ति की समीक्षा कीजिए। 20

8. स्वाधीनता आंदोलन और प्रेमचन्द के साहित्य के सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए। 20

9. नवजागरण के संदर्भ में आधुनिकता को परिभाषित करते हुए विश्लेषण कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times10=20$

(क) उड़िया का आधुनिक साहित्य

(ख) पंजाबी का प्रगतिशील साहित्य

(ग) नवजागरण का निहितार्थ

(घ) रामधारीसिंह दिनकर का काव्य-चिंतन

(ङ) निराला काव्य में राष्ट्रीय चेतना

× × × × ×